विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -१० -०७ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज भाषा एवं बोली के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

भारत के अधिकांश हिस्सों में यही भाषा बोली और समझी जाती है। हिंदी भाषा की पाँच उपभाषाएँ हैं।

उपभाषा	बोली
1. पूर्वी हिंदी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
2. राजस्थानी हिंदी	जयपुरी, मारवाड़ी, मेवाती,
3. पहाड़ी हिंदी	मालवी
4. पश्चिमी हिंदी	गढ़वाली, कुमाउँनी,
5. बिहारी हिंदी	हिमाचली
	खड़ीबोली, हरियाणवी,

	कन्नौजी, ब्रज भाषा भोजपुरी, मैथिली, मगही।

बोली - सीमित क्षेत्रों में बोली जाने वाली भाषा के रूप को बोली कहा जाता है अर्थात स्थानीय व्यवहार में अल्पविकसित रूप में प्रयुक्त होने वाली भाषा बोली कहलाती है। बोली का कोई लिखित रूप नहीं होता।

व्याकरण - भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भाषा कहते हैं
(i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को
(ii) लिखने के ढंग को
(iii) भाषण देने की कला को
(iv) इन सभी को